

अ न क् उ म णि का

| प्रकरण क्रमांक | विषयांश | पृ. क्र. |
|-------------------|--|----------|
| | शीर्षक | I |
| | प्रतिज्ञापत्र | II |
| | प्रमाणपत्र | III |
| | ऋणनिर्देश | IV |
| | अनुक्रमणिका | VII |
| | सारणीची यादी | XIII |
| | आकृत्याची यादी | XVIII |
| १) | <u>प्रस्तावना :</u> | १ ते १५ |
| | संशोधन समस्येची पार्श्वभूमी | १ |
| | अध्यापन बोधात्मक दृष्टिकोन | ४ |
| | अध्यापन कौशल्याचे अध्ययन आणि विचारप्रक्रिया | ५ |
| | पाठ टाचण म्हणजे अध्यापन कौशल्य | ६ |
| | आत्मसात करण्याचे एक साधन | |
| | प्रकट विचार | ८ |
| | समस्येचे शब्दांकन | ११ |
| | महत्वाच्या शब्दांच्या व्याख्या | ११ |
| | गृहित्के | १२ |
| | संशोधन विषयाचे महत्त्व | १२ |
| | उद्दिष्टे | १३ |
| | परिकल्पना | १४ |
| | अहवालाचा आराखडा | १४ |
| | स्मारोप | १५ |

| प्रकरण क्रमांक | विषयांश | पृ. क्र. |
|-------------------|---|----------|
| २) | संशोधन विषयाशी संबंधित साहित्याचे सिंहावलोकन : ----- | १६ ते ४५ |
| | प्रस्ताविक | १६ |
| | शिदाक विचार प्रक्रिया (परदेशातील संशोधन) | १६ |
| | पाठ नियोजन व अध्यापन (परदेशातील संशोधन) | २४ |
| | प्रकट मौखिक शब्दांकन (परदेशातील संशोधन) | ३३ |
| | अ) मानसिक सराव | ३३ |
| | ब) प्रकट विचार | ३४ |
| | क) उद्दिष्टित प्रत्यावहन | ३९ |
| | भारतातील संशोधन | ४२ |
| ३) | अभिकल्पाची पूर्वतयारी | ४६ ते ८० |
| | प्रस्तावना | ४६ |
| | प्रकट मौखिक शब्दांकन पध्दतीची निश्चिती | ४८ |
| | प्रमौश सरावासाठी लागणारा वेळ निश्चित करणे | ४९ |
| | आधार साहित्याचा वेळेवर होणारा परिणाम | ५० |
| | प्रमौशकालीन चर्काचे स्वरूप व वर्गीकरण | ५२ |
| | प्रमौशकालीन चर्काची नोंद | ५७ |
| | प्रमौशकालीन चर्काच्या नोंदीसाठी निरीक्षकांची निवड | ५८ |

| प्रकरण क्रमांक | विषयार्थ | पृ.क्र. |
|-------------------|--|---------|
| ३) पुढे चालू.... | | |
| | प्रमौशकालीन अशाब्दिक हालचालींचा अभ्यास | ५८ |
| | उद्दिष्टित प्रत्यावहन पध्दतीचे स्वरूप | ५९ |
| | प्रमौशकालीन अशाब्दिक वर्तनाची नोंद | ६५ |
| | प्रमौशकालीन अशाब्दिक हालचालींच्या नोंदीसाठी निरीक्षाकाची निवड | ६६ |
| | प्रमौश क्षेत्र अगगत होण्यास व परिपूर्ण प्रमौशासाठी आवश्यक पाठाची संख्या ठरवणे | ६७ |
| | प्रमौश परिणामकारकता मापने | ६७ |
| | प्रमौश पध्दतीने कितो पाठ ध्यावे ? | ६८ |
| | प्रमौश मार्गदर्शन पुस्तिकेची निर्मिती | ६९ |
| | प्रस्तुत संशोधनासाठी प्रायोगिक उपचार म्हणून प्रकट मौखिक शब्दांकनाचे स्वरूप | ७० |
| | प्रमौश पध्दत राबवण्यासाठी मार्गदर्शक तत्त्वे | ७२ |
| | प्रत्यक्षा प्रमौश सराव | ७३ |
| | प्रमौश प्रथम सराव | ७५ |
| | निरीक्षण व नोंदी | ७६ |
| | पहिल्या प्रमौश सरावानंतरचे प्रत्याभरण | ७७ |
| | प्रमौश द्वितीय व तृतीय सराव | ७८ |
| | प्रत्यक्षा सराव पाठ | ७८ |
| | वर्गीतील पाठानंतर प्रत्याभरण | ७९ |

| प्रकरण क्रमांक | विषयांश | पृ.क्र. |
|-------------------|---|-----------|
| ४) | <u>संशोधन कार्यपध्दती :</u> | ८१ ते ११६ |
| | प्रस्तावना | ८१ |
| | विशुद्ध प्रायोगिक अभिकल्प | ८२ |
| | सप्रमाणता | ८३ |
| | आंतरिक सप्रमाणतेवर परिणाम करणारे घटक | ८४ |
| | बाह्य सप्रमाणतेवर परिणाम करणारे घटक | ८४ |
| | कार्यपध्दती | ८८ |
| | नमुना | ८९ |
| | साधने | ९३ |
| | अध्यापक प्रक्रिया परिणामकारकतेची मूल्यमापन श्रेणी | ९३ |
| | रेव्हन्स स्टॅन्डर्ड प्रोग्रेसिव्ह मॅट्रायसिस | ९६ |
| | प्रकट मौखिक शब्दांकन परिणामकारकता श्रेणी | ९७ |
| | प्रकट मौखिक शब्दांकनाच्यावेळी होणा-या चुर्काची वारंवारिता नोंद त्मता | १०० |
| | प्रमौश सराव त्मता | १०४ |
| | प्रमौश सराव घेणा-या प्राध्यापकांसाठी प्रश्नावली | १०६ |
| | प्रमौशसंबंधी निरीक्षक प्राध्यापकांची मतावली | १०६ |
| | प्रमौश सराव संपल्यानंतर छात्राध्यापकाने द्यावयाची मतावली | १०७ |
| | संशोधन पध्दती | १०८ |

| प्रकरण क्रमांक | विषयार्थ | पृ.क्र. |
|-------------------|---|------------|
| ५) | <u>सामग्री विश्लेषण आणि अन्वयार्थ :</u> | ११७ ते २१२ |
| | प्रस्तावना : | ११७ |
| | भाग-१ : | ११८ |
| | अ) सामान्य मानसिक दामता . | |
| | ब) प्रमौशकालीन अशाब्दिक वर्तन | |
| | क) प्रमौशकालीन शाब्दिक वृत्ता | |
| | ड) प्रमौश परिणामकारकता या प्रमौशशी निगडित घटकांच्या परस्पर संबंधाचा शोध | |
| | भाग-२ : | १५२ |
| | प्रमौशाचे स्वरूप निश्चित करणे | |
| | भाग-३ : | |
| | प्रमौशाचा अध्यापन वर्तनावरील परिणाम | १९० |
| | भाग-४ : | |
| | प्रमौशाचा अध्यापन वर्तनाच्या धारणेवरील परिणाम | १९८ |
| | भाग-५ : | |
| | प्रमौश परिणामकारकतेविषयी छात्राध्यापक व प्राध्यापकांची मते | २०५ |

प्रकरण
क्रमांक

विषयश

पृ.क्र.

६) उपसंहार, निष्कर्ष आणि शिफारसी : २१२ ते २२७

| | |
|--|-----|
| प्रस्तावना | २१२ |
| निष्कर्ष | २१७ |
| शिफारसी | २१८ |
| जी.एड. अभ्यासक्रमात प्रमौशचा नित्य त्र म्हणून वापराची योजना | २१९ |

परिशिष्टे :

| | |
|---|-----|
| १) प्रमौश मार्गदर्शक पुस्तिका | २२८ |
| २) प्रकट शब्दांकन सराव तक्ता | २४७ |
| ३) प्रकट शब्दांकनाच्यावेळी घेणा-या चुकीची वारवारिता नोंद तक्ता | २५१ |
| ४) अशाब्दिक वर्तन नोंद तक्ता | २५५ |
| ५) अध्यापक प्रक्रिया परिणामकारकतेची मूल्यमापन श्रेणी | २५६ |
| ६) प्रकट शब्दांकन परिणामकारकता श्रेणी | २६२ |
| ७) प्रमौशका सराव घेणा-या प्राध्यापकांसाठी प्रश्नावली | २६४ |
| ८) निरीक्षक प्राध्यापकांच्यासाठी मतावली | २६५ |
| ९) प्रमौश पद्धतीने सराव करणा-या ह्या प्राध्यापकांच्यासाठी प्रश्नावली | २६६ |
| १०) प्रयोगात भाग घेणा-या ह्या प्राध्यापकांची यादी | २६७ |
| संदर्भ सूची : मराठी, | २६९ |
| इंग्रजी | २७३ |

सारण्याची यादी

| अनु. | सारणी क्रमांक | नाव | पृ. क्र. |
|------|---------------|--|----------|
| १) | ४.१ | प्रमौशकालीन शाब्दिक चुलांची कौशल्य- वार प्रकार संख्या | १०१ |
| २) | ४.२ | प्रमौशकालीन अशाब्दिक हालचालींची वर्तनप्रकारवार संख्या | १०३ |
| ३) | ४.३ | प्रायोगिक गटाचा प्रमौश पध्दतीने व निर्यंत्रित गटाचा पारंपारिक पध्दतीने रूप पाठ पूर्ण होण्यास लागणारा आवश्यक कृतीनुसार वेळ दर्शविणारी सारणी | १०९ |
| ४) | ५.१ | सामान्य मानसिक क्षमता व प्रमौशकालीन शाब्दिक चुका यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | ११९ |
| ५) | ५.२ | सामान्य मानसिक क्षमता आणि प्रमौश कालीन अशाब्दिक वर्तन यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १२१ |
| ६) | ५.३ | सामान्य मानसिक क्षमता आणि प्रमौश परिणामकारकता यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १२२ |
| ७) | ५.४ | सामान्य मानसिक क्षमता गुणांक व प्रमौश परिणामकारकता गुणांकाचे माध्य व प्रमाप विचलन दर्शविणारी सारणी | १२४ |
| ८) | ५.५ | सामान्य मानसिक क्षमता गुणांक वारवारिता सारणी | १२५ |
| ९) | ५.६ | प्रमौश परिणामकारकता गुणांकाची वारवारिता सारणी | १२७ |

| अनु. | सारणी क्रमिक | नाव | पृ.क्र. |
|------|-----------------|---|---------|
| १०) | ५.७ | प्रमौशकालीन शाब्दिक वृका व प्रमौश- कालीन अशाब्दिक वर्तन यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १३२ |
| ११) | ५.८ | प्रमौशकालीन शाब्दिक वृका व प्रमौश परिणामकारकता यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १३३ |
| १२) | ५.९ | प्रमौशकालीन कौशल्यवार शाब्दिक वृका व कौशल्यवार प्रमौश परिणामकारकता यामधील लक्षणीय सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १३६ |
| १३) | ५.१० | प्रमौशकालीन अशाब्दिक वर्तन व प्रमौश परिणामकारकता यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १३८ |
| १४) | ५.११ | प्रमौशकालीन स्कण अशाब्दिक वर्तन आणि प्रमौश परिणामकारकतेमधील कौशल्ये यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १४१ |
| १५) | ५.१२ | प्रमौशकालीन अशाब्दिक वर्तन प्रकार व स्कण प्रमौश परिणामकारकता यामधील लक्षणीय सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १४४ |
| १६) | ५.१३ | प्रमौशकालीन नेह-यावरील हावभाव आणि प्रमौश परिणामकारकतेमधील पाठाचा प्रारंभ कथन स्पष्टीकरण दिग्दर्शन, प्रश्न, फलक कार्य व समारोप यामधील लक्षणीय सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १४६ |

| अनु. | सारणी | नाव | पृ. क्र. |
|------|-------|--|----------|
| १७) | ५.१४ | प्रमौशकालीन हाताच्या हालचाली व प्रमौश परिणामकारकतेमधील पाठाचा प्रारंभ, कथन, स्पष्टीकरण, दिग्दर्शन, प्रश्न, फलक कार्य व स्मारोप यामधील लक्षणीय सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १४८ |
| १८) | ५.१५ | प्रमौशकालीन पायाच्या हालचाली व प्रमौश परिणामकारकतेमधील सहा कौशल्ये यामधील सहसंबंध दर्शविणारी सारणी | १५० |
| १९) | ५.१६ | प्रमौशसाठी लागलेला सरासरी वेळ | १५४ |
| २०) | ५.१७ | प्रत्येक सरावासाठी लागणारा सरासरी वेळ व प्रमाणित विचलन | १५५ |
| २१) | ५.१८ | माध्यातील फरक, प्रमाप त्रुटी व त मूल्य दर्शविणारी सारणी | १५५ |
| २२) | ५.१९ | पाठ कर्माकानुसार प्रमौशसाठी लागणारा सरासरी वेळ व प्रमाप विचलन | १५९ |
| २३) | ५.२० | मध्यमानातील फरक, प्रमाप त्रुटी व त मूल्य दर्शविणारी सारणी | १५७ |
| २४) | ५.२१ | प्रायोगिक गट व नियंत्रित गट यांच्या पूर्व चाचणीच्या माध्यातील फरकाचे त गुण दर्शविणारी सारणी | १९१ |
| २५) | ५.२२ | प्रायोगिक गटाचे पूर्व चाचणीचे माध्य उत्तर चाचणीचे माध्य, प्रमाप विचलन, माध्यातील फरक आणि त गुण दर्शविणारी सारणी | १९२ |

| अनु. क्रमांक | सारणी | नाव | पृ. क्र. |
|-----------------|-------|--|----------|
| २६) | ५.२३ | निर्यंत्रित गटाच्या पूर्व चाचणीचे माध्य उत्तर चाचणी-१ चे माध्य, प्रमाप विचलन, माध्यातील फरक आणि गुण दशविणारी सारणी | १९३ |
| २७) | ५.२४ | प्रायोगिक गट व निर्यंत्रित गट यांच्या पूर्व चाचणीपेक्षा उत्तर चाचणी १ मध्ये झालेल्या वाढीच्या माध्यातील फरकाचे ८ गुण दशविणारी सारणी | १९४ |
| २८) | ५.२५ | उत्तर चाचणी १ - पूर्वचाचणी, गुण दशविणारी सारणी | १९६ |
| २९) | ५.२६ | प्रायोगिक गटाच्या पूर्वचाचणी व उत्तर चाचणी २ मधील फरकाचे ८ गुण दशविणारी सारणी | १९९ |
| ३०) | ५.२७ | निर्यंत्रित गटाचे पूर्व चाचणीचे माध्य उत्तर चाचणीचे माध्य, प्रमाप विचलन, माध्यातील फरक आणि ८ गुण दशविणारी सारणी | २०१ |
| ३१) | ५.२८ | प्रायोगिक गटाचे व निर्यंत्रित गटाचे उत्तर चाचणी २ व पूर्व चाचणीमधील फरकाचे माध्य, प्रमाप विचलन, माध्यातील फरक आणि ८ गुण दशविणारी सारणी | २०१ |

| अनु. | सारणी क्रमांक | नाव | पृ. क्र. |
|------|------------------|---|----------|
| ३२) | ५.२९ | पूर्व चाचणीपेदात उत्तर चाचणी २ मध्ये झालेल्या वाढीचे दोन्ही गटाचे कौशल्यवार माध्य, प्रमाप विचलन, माध्यातील फरक आणि ८ गुण दर्शविणारी सारणी | २०३ |
| ३३) | ५.३० | प्रायोगिक गटातील १२ छात्राध्यापकांच्या प्रमौश परिणामकारकतेविषयीच्या मतावलीची पदनिश्चयन श्रेणी | २०६ |

आलेख व आकृत्या

| अनु. | आकृती क्रमांक | नाव | पृ. क्र. |
|------|------------------|---|------------------|
| १) | ३.१ | प्रमौश तंत्रातील शात्राध्यापकाच्या चुका. | ५३ |
| २) | ४.१ | प्रायोगिक अभिकल्पाच्या आंतरिक व बाह्य सम्राणतेवर परिणाम करणाऱ्या घटकांचे नियंत्रण दर्शाविणारा तक्ता | ८६ |
| ३) | ४.२ | विश्वामधुन न्यादश निवड दर्शाविणारी आकृती | १२ |
| ४) | ४.३ | अभिकल्पाची झरेणा | १०८ |
| ५) | ४.४ | प्रयोगाचे तारीखवार वेळापत्रक | १११ |
| ६) | ५.१ | सामान्य मानसिक दामता गुणांकाच्या वितरणाचा आलेख | १२६ |
| ७) | ५.२ | प्रमौश परिणामकारकता गुणांकाच्या वितरणाचे आलेख | १२२ |
| ८) | ५.३ | सराव क्रमांकानुसार शाब्दिक चुकांची संख्या दर्शाविणारा आलेख | १६१ |
| ९) | ५.४ ते ५.६ | ० ० ० सराव क्रमांकानुसार अशाब्दिक हालचालींची कौशल्यवार संख्या दर्शाविणारे आलेख | १६३ ते १६५ |
| १०) | ५.७ | सराव क्रमांकानुसार अशाब्दिक हालचालींची संख्या दर्शाविणारा आलेख | १६८ |
| ११) | ५.८ ते ५.९ | ० ० ० सराव क्रमांकानुसार अशाब्दिक हालचालींची वर्तनप्रकारानुसार संख्या दर्शाविणारे आलेख | १७१ ते १७२ |

| अनु. | आकृती क्रमांक | नाव | पृ. क्र. |
|------|------------------|--|---------------|
| १२) | ५.१० | पाठ क्रमांकानुसार प्रमौशकालीन शाब्दिक चुकाच्या संख्येतील बदल दर्शविणारे आलेख | १७८ |
| १३) | ५.११ | पाठ क्रमांकानुसार प्रमौशकालीन कौशल्यवार शाब्दिक चुकातील बदल | १८० ते १८२ |
| | ५.१३ | दर्शविणारे आलेख | |
| १४) | ५.१४ | पाठ क्रमांकानुसार अशाब्दिक हालचालींच्या संख्येतील बदल दर्शविणारा आलेख | १८५ |
| १५) | ५.१५ | पाठ क्रमांकानुसार अशाब्दिक हालचालींच्या वर्तनप्रकारानुसार संख्येतील बदल दर्शविणारे आलेख. | १८३ |